राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 243 | जौनपुर | बुधवार, 23अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

पीयू में पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सरस्वती सदन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शोक सभा का आयोजन किया, दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने इस हमले की कड़ी निंदा की। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि इस घटना से पूरे देशवासियों को गहरा दुःख हुआ है। इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट के अलावा कुछ भी मैनेज कर सकती है बीजेपी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पार्टी को लोगों द्वारा चुनी गई सरकारों के प्रति कोई सम्मान नहीं है और उन्होंने भाजपा सरकार पर निर्वाचित पार्टी के काम में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता द्वारा चुनी गई सरकारों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। वे अपने एजेंटों को राज्यपाल और उपराज्यपाल नियुक्त करते हैं जिनका एकमात्र काम समानांतर सरकार चलाना और चुनी हुई सरकार के काम में बाधा डालना है। प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि यह मामला और भी गंभीर हो गया है, क्योंकि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर बात की और बताया कि कैसे तमिलनाडु के राज्यपाल कई मामलों में गलत थे। उन्होंने आगे दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट एकमात्र ऐसी जगह है जिसे भाजपा द्वारा प्रबंधित नहीं किया जा सकता, और यह कि अदालत भाजपा की अवैध गतिविधियों का भी खुलासा करती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सुप्रीम कोर्ट के अलावा कुछ भी मैनेज कर सकती है। कक्कड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी की गैरकानूनी गतिविधियों को उजागर कियाय इसने हाल ही में चुनावी बोर्ड में सरकार को बेनकाब किया और बताया कि कैसे ये बॉन्ड मनी लॉन्ड्रिंग का नतीजा थे। इसने बताया कि कैसे दिल्ली में केवल चुनी हुई सरकार को ही ये सेवाएँ मिलेंगी, बीजेपी के एजेंटों को नहीं। आप सदस्य ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बार–बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करती है।

शरबत जिहाद को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने रामदेव को लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेसी। योग गुरु बाबा रामदेव ने मंगलवार को लोकप्रिय पेय रूह अफजा के बारे में टिप्पणियों वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने पर सहमति जताई, जिस पर दिल्ली हाई कोर्ट की नाराजगी थी। रामदेव के वकील ने अदालत को बताया कि विवादित वीडियो, जिसमें शरबत जिहाद जैसे विवादास्पद शब्द थे, उसे तुरंत हटा दिया जाएगा। यह आश्वासन दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा रूह अफजा को लक्षित करने वाली रामदेव की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करने के तुरंत बाद दिया गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने बाबा रामदेव की टिप्पणियों के खिलाफ रूह अफजा बनाने वाली कंपनी हमदर्द की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अस्वीकार्य टिप्पणियाँ अदालत की अंतरात्मा को झकझोरती हैं। जब मैंने वीडियो देखा तो मुझे अपने कानों और आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। हमदर्द की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि यह मुद्दा अपमान से परे है और सांप्रदायिक कलह पैदा करने के उद्देश्य से घृणास्पद भाषण जैसा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में भागलपुर के जगदीशपुर का किया उल्लेख

भागलपुर, (एजेंसी)। सिविल सेवा दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि वहां की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार हुआ है, खासकर गर्भवती महिलाओं की देखभाल के मामले में। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जगदीशपुर में सिर्फ 25: गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण होता था, लेकिन अब यह आंकड़ा 90: से भी ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने इसे स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य कर्मियों और जनप्रतिनिधियों की मेहनत का नतीजा बताया। जगदीशपुर को देश के आकांक्षी प्रखंडों में शामिल किया गया है। यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की इस सफलता को देखकर इसे प्रधानमंत्री कार्यालय (च्डव्) को रिपोर्ट किया गया था, जिसके बाद इसे देशभर के लिए एक मिसाल के तौर पर चुना गया। सीएचसी के प्रभारी डॉक्टर ब्रजभूषण मंडल ने अमर उजाला से बात करते हुए खुशी जताई। उन्होंने कहा कि पीएम से मिली सराहना उनके लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल से टीम के साथ मिलकर लगातार मेहनत की गई। एएनएम के साथ मीटिंग, घर–घर जाकर गर्भवती महिलाओं की पहचान और पंजीकरण का काम किया गया। पूरे क्षेत्र के आंकड़े जुटाकर 12 हफ्तों में रिपोर्ट तैयार की गई। भागलपुर जिले के लोगों के लिए यह एक गर्व का पल है। इससे माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी और दूसरी स्वास्थ्य इकाइयों को भी बेहतर काम करने की प्रेरणा मिलेगी। जिला प्रशासन ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई है।

न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका की बहस के बीच उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद ही सर्वोपरि है। हर सांविधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से जुड़ा होता है। दिल्ली विवि में एक कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारों के अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट को घेरा। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पणियों का हवाला दिया। इसमें गोरकनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है। जबकि दूसरे केशवानंद भारती मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सांविधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द

राष्ट्र के सर्वोच्च हित से निर्देशित होता है। मुझे यह बात काफी दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि सांविधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका चाहे वह सांविधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक के बारे में गलत समझ से कोई भी चीज दूर नहीं हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और टिप्पणियों को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। उपराष्ट्रपति धानखड़ ने न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उन्होंने न्यायपालिका के लिए ये कड़े शब्द राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए।

वकीलों के संघ ने न्यायालय के सामने किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलुरु, (एजेंसी)। बेंगलुरु में वकीलों और अधिवक्ता संघों के सदस्यों ने मंगलवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया और चार मौजूदा न्यायाधीशों को अन्य उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित करने की सिफारिश का विरोध किया। इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इस स्थानांतरण की सिफारिश की थी। एसोसिएशन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को पत्र लिखकर उनसे सिफारिश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी भारत के राष्ट्रपति को पत्र लिखकर उनसे कर्नाटक उच्च न्यायालय से चार न्यायाधीशों के स्थानांतरण को मंजूरी न देने का आग्रह किया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने चार न्यायाधीशों की व्यावसायिकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि समय पर और प्रभावी न्याय प्रदान करने के लिए उनकी उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्पष्ट कारण के स्थानांतरण न्यायपालिका को हतोत्साहित कर सकते हैं और संस्था में जनता का विश्वास हिला सकते हैं। सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 15 अप्रैल और 19 अप्रैल को हुई अपनी बैठकों के दौरान सात उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की। कॉलेजियम ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य उच्च न्यायालयों में समावेशिता और विविधता लाना और न्याय प्रशासन की गुणवत्ता को मजबूत करना है। कर्नाटक उच्च न्यायालय से कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर को मद्रास उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति कृष्णन नटराजन को केरल उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति नेरनहल्ली श्रीनिवासन संजय गौड़ा को गुजरात उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति दीक्षित कृष्ण श्रीपाद को उड़ीसा उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की।

मुर्शिदाबाद के अशांत इलाकों का दौरा करेंगी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रदर्शनकारी शिक्षकों से अपनी ड्यूटी पर लौटने की अपील की और वादा किया कि उनकी सरकार उनके वेतन की सुरक्षा करेगी। उनके आश्वासन के बावजूद, हजारों शिक्षक जिनकी नियुक्तियाँ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले द्वारा रद्द कर दी गई थीं – साल्ट लेक में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (ठैब) कार्यालय के बाहर डेरा डाले हुए हैं और अपना रात भर का विरोध प्रदर्शन जारी रखा है। ममता बनर्जी के हवाले से बताया कि आपको इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है कि कौन दागी है और कौन नहीं। आपको बस इस बात की चिंता करने की जरूरत है कि आपके पास नौकरी है या नहीं और क्या आपको समय पर वेतन मिल रहा है। दागी और बेदाग शिक्षकों की पहचान करने वाली सूची सरकार और अदालतों के पास है। बनर्जी ने कहा, ष्हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि आपकी नौकरियाँ अभी सुरक्षित हैं और आपको वेतन मिलेगा। कृपया अपने स्कूल वापस जाएँ और कक्षाएँ फिर से शुरू करें। मैंने कल रात से इस बारे में कई बार बात की है। हम आपके साथ हैं।ष तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारी, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है, के लिए एक समीक्षा याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में दायर की जाएगी और ष्तब तक हम पर अपना विश्वास बनाए रखेंष्। बनर्जी ने कहा कि वह मई के पहले सप्ताह में मुर्शिदाबाद के अशांत क्षेत्रों का दौरा करेंगी। शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया और पूरी चयन प्रक्रिया को ''दोषपूर्ण और अनुचित'' बताया। न्यायालय के इस आदेश के परिणामस्वरूप अपनी नौकरी खोने वाले 2,000 से अधिक शिक्षकों ने सोमवार शाम को सॉल्ट लेक में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य के मुर्हिदाबाद जिले में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर तीखा हमला किया और उन पर धर्मनिरपेक्षता की आड़ में तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। मंगलवार को धामी ने कहा कि बंगाल में जिस तरह के मुद्दे हो रहे हैं, उससे पूरा देश आंदोलित है। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर ममता बनर्जी जिस तरह की तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं, वह हमें 1947–48 की याद दिलाती है।

हाईकोर्ट ने कहा राहुल की नागरिकता पर केंद्र 10 दिन में दे जवाब

प्रयागराज, (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से 10 दिन में जानकारी देने को कहा है। राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की भी नागरिकता होने का आरोप है। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर की याचिका पर दिया। इसमें राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले की सीबीआई जांच की मांग भी की गई थी। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को राहुल गांधी की नागरिकता मामले में कार्रवाई का ब्योरा पेश करने को समय दिया

था। केंद्र की ओर से जानकारी पेश नहीं हो सकी। केंद्र के अधिवक्ता एस बी पांडेय ने इसके लिए और समय देने का आग्रह किया। इसपर कोर्ट ने उन्हें जानकारी पेश करने को 10 दिन का और समय दिया। अगली सुनवाई 5 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। याचिका इस दावे के आधार पर दाखिल हुई थी कि राहुल गांधी भारत के बजाय ब्रिटेन के नागरिक हैं। ऐसे में वह संविधान के अनुच्छेद 84(ए) के तहत चुनाव लड़ने को अयोग्य थे। कोर्ट ने बीती जुलाई में राहुल गांधी के सांसद के रूप में चुनाव को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को याची द्वारा वापस लेने पर खारिज कर दिया था। साथ ही कोर्ट ने याची को नागरिकता कानून 1955 के प्रावधानों के तहत समुचित प्राधिकारी को अप्रोच करने की दी छूट भी दी थी। मामले में याची ने पुनः हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा कि उसने राहुल गांधी की नागरिकता मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी को दो प्रत्यावेदन दिए थे। इसपर कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि याची के प्रत्यावेदन पर केंद्र ने क्या कारवाई की है?

वक्फ संशोधन बिल के जरिये अपनी नाकामी छिपा रही केंद्र सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ, (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जब केंद्र सरकार संसद में वक्फ संशोधन बिल लाई थी तब भी हमने इसका विरोध किया था और अब भी विरोध कर रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार इस बिल के जरिये अपनी नाकामियां छिपा रही है। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। सोने का भाव एक लाख रुपये पार कर गया है। अब लोगों के लिए विवाह करना बेहद मुश्किल हो गया है। विवाह में गहने तो दिये ही जाते हैं। ऐसे में सरकार तरह–तरह के मुद्दे उठाकर जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने एक बार फिर प्रदेश के थानों में जाति के आधार पर तैनाती करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों (पीडीए) की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दिल्ली और लखनऊ के स्कूलों की फीस लगातार बढ़ाई जा रही है। शिक्षा का जिस तरह से निजीकरण हो रहा है उतना पहले कभी नहीं हुआ है। लोग अपने बच्चों को पढ़ा नहीं पा रहे हैं। जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है और सरकार लोगों का ध्यान भटका रही है।

कर्नाटक के मंत्री ने ड्रेस कोड संशोधित करने की कर दी मांग

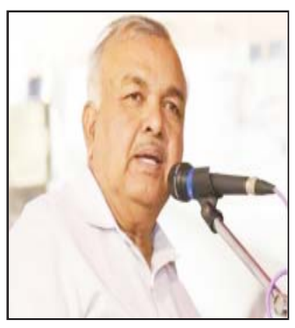

कर्नाटक, (एजेंसी)। बंदोबस्ती मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने हाल ही में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) परीक्षा की घटनाओं पर उच्च शिक्षा मंत्री सीएन सुधाकर को पत्र लिखा, जिसमें कुछ छात्रों से कथित तौर

पर उनके जनेऊ उतारने के लिए कहा गया था। अपने पत्र में रेड्डी ने घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने और कांग्रेस को हिंदू विरोधी के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ड्रेस कोड केंद्र सरकार के दिशा–निर्देशों पर आधारित है, लेकिन इसका कार्यान्वयन धार्मिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने राज्य से केंद्र को पत्र लिखने और परीक्षा अनुशासन बनाए रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय के रुख के अनुरूप धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान नीति में संशोधन की मांग करने का आग्रह किया। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को इस घटना की निंदा की और कहा कि सरकार 16 अप्रैल को सीईटी में शामिल होने वाले ब्राह्मण छात्रों के जनेऊ से जुड़े मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नाटक के शिवमोगा में दो द्वितीय वर्ष के पीयू छात्रों को कथित तौर पर एक सीईटी केंद्र पर सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा उनके श्जनिवाराश (पवित्र धागा) उतारने के लिए मजबूर किया गया। केंद्र पर तैनात दो होमगार्डों को बाद में आक्रोश के बाद निलंबित कर दिया गया। पार्थ राव नामक एक अन्य छात्र ने भी आरोप लगाया कि परीक्षा हॉल के बाहर तैनात वर्दीधारी व्यक्ति ने उनसे उनका जनिवारा उतारने के लिए मजबूर किया, उसे तोड़ दिया और कूड़ेदान में फेंक दिया।

आतिशी की सुरक्षा में होगी कटौती, गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को दिए निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी की सुरक्षा में कटौती हो सकती है। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि आतिशी को दी जाने वाली सुरक्षा को श्जेडश से घटाकर वाई श्रेणी में कर दे। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह फैसला केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आतिशी को खतरे की आशंका की समीक्षा के बाद लिया गया है। इस समीक्षा में निष्कर्ष निकाला गया कि कोई नया या महत्वपूर्ण खतरा नहीं है जिसके लिए जेड श्रेणी की सुरक्षा जारी रखी जाए। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि यह निर्देश हाल ही में तब जारी किया गया जब दिल्ली पुलिस की

सुरक्षा इकाई ने आतिशी की सुरक्षा कवर की स्थिति पर गृह मंत्रालय (एमएचए) से मार्गदर्शन मांगा। इससे पहले इसने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा स्थिति को चिन्हित किया था, जो वर्तमान में जेड–प्लस श्रेणी के अंतर्गत है, और पूछा था कि क्या इसे जारी रखा जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा, हालांकि मंत्रालय ने शुरू में केजरीवाल और आतिशी दोनों के लिए सुरक्षा व्यवस्था में कोई भी बदलाव न करने की सलाह दी थी, लेकिन बाद में उसने दिल्ली पुलिस को आतिशी की सुरक्षा को घटाकर वाई श्रेणी में करने का निर्देश दिया। वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत, आतिशी को अब दिल्ली पुलिस के दो कमांडो सहित लगभग 12 कर्मियों की एक टीम द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। सुरक्षा में कटौती का मतलब कुछ विशेषाधिकारों को हटाना भी है, जैसे कि पायलट वाहन जो उनके काफिले के साथ था जब वह कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री का पद संभाल रही थीं। अधिकारी ने बताया कि मार्च में दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आप विधायक अजय दत्त और दिल्ली के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का प्रस्ताव रखा था। राजनीतिक नेताओं को सुरक्षा गृह मंत्रालय के निर्देश पर केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समय–समय पर किए गए।

संपादकीय

परदेस से मोहभंग

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़–पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां–बाप खून–पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं–कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा–अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे–धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे–तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे–मोटे काम–धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे। दरअसल, धीरे–धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते–निखरते हैं। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये।

संवेदनशीलता से प्रकृति के पुनर्जीवन की राह

वीरेन्द्र

पिछले पांच दशकों में वैश्विक आर्थिक प्रगति पांच गुना बढ़ी है, किंतु यहां तक पहुंचने के लिए 70 प्रतिशत से अधिक पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का उनकी क्षमता से अधिक दोहन किया गया । इसका परिणाम यह कि पृथ्वी का अस्तित्व ही संकट में आ गया है। बार–बार चेताने की आवश्यकता होती है कि

इस ब्रह्मांड में अनेक गैलेक्सियां हैं, और हमारी गैलेक्सी में भी अरबों ग्रह हैं, किंतु उनमें केवल पृथ्वी ही ऐसी है, जहां जीवन संभव है। सौरमंडल में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां सतह पर जल उपलब्ध है और जो जीवन के अस्तित्व में सहायक है। निकट भविष्य में पृथ्वी के अलावा हमारी कोई और शरणस्थली नहीं बनने वाली। इसी कारण साल 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस के लिए, 5 जून 1974 के पहले पर्यावरण दिवस की थीम 'ओनली वन अर्थ –केवल एक ही पृथ्वी' को दोहराना जरूरी लगा। जहां 1974 में शायद ही यह कहा गया हो कि प्रकृति आपात स्थिति में है, वहीं 2022 तक ये चेतावनियां सर्वत्र सुनाई देने लगीं। मानवीय जरूरतों और लालच ने पृथ्वी को तीन मुख्य संकटों में जकड़ लिया है– जलवायु संकट, प्रकृति और जैव विविधता की हानि तथा प्रदूषण और अपशिष्ट का बढ़ता ढेर। पिछले सौ वर्षों में आधे वेटलैंड और समुद्रों में आधे से अधिक मूंगे की चट्टानें नष्ट हो चुकी हैं। सागरों में इतना प्लास्टिक पहुंच रहा है कि 2050 तक वहां मछलियों से अधिक प्लास्टिक हो सकता है। पृथ्वी के प्रति संवेदना जगाने और इस बिगड़ते संतुलन को सुधारने के लिए ही 2021 के अर्थ डे की थीम थी– 'अपनी पृथ्वी को फिर से ठीक करें'। अप्रैल 2022 की थीम 'अपने ग्रह में निवेश करें', अर्थ डे 2020 की 'जलवायु पर सक्रियता' और 2019 की थीम थी 'अपनी प्रजातियों की रक्षा करें'। साल 2021–2030 की अवधि को संयुक्त राष्ट्र ने 'डिकेड ऑफ इकोसिस्टम रिस्टोरेशन' यानी पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन दशक घोषित किया है। इसमें ताजे पानी, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और भूमि आधारित इकोसिस्टम को फिर से पहले जैसी स्थिति में लाने के प्रयास जारी हैं। इसमें भूमि उपयोग परिवर्तन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन सभी प्रयासों का निष्कर्ष था कि 5 जून, 2022 को एक बार फिर 'केवल एक पृथ्वी' के थीम पर लौटा जाए। पृथ्वी और मानवता के लिए संकट का मुख्य कारण है– सतत उपभोग और सतत उत्पादन प्रणाली न होना। जनसंख्या वृद्धि के साथ यह समस्या बढ़ रही है। दूसरी ओर, जैव विविधता तेजी से घट रही है। अब तक 65 फीसदी वन्य जीव समाप्त हो चुके हैं। इसी कारण 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस पर यह भी आह्वान किया गया था कि हम सतत और पर्यावरण–अनुकूल जीवनशैली अपनाएं और पृथ्वी के साथ समरसता में जिएं। इस समरसता का भाव जगाने के लिए आवश्यक है कि हम स्वयं को पृथ्वी के स्थान पर रखें और सोचें कि जो कुछ पृथ्वी और प्रकृति के साथ हो रहा है, यदि वही हमारे साथ हो रहा होता, तो हमें कैसा लगता? संवेदनशील न्यायालय और न्यायिक संस्थाएं अब प्रकृति या उसके किसी हिस्से को वैधानिक रूप से जीवित मानव घोषित कर रही हैं और उनके अधिकारों की रक्षा के आदेश भी दे रही हैं। हालांकि सरकारें ऐसे आदेशों को समय के साथ निरस्त कराने में सफल हो जाती हैं। कई बार, पर्यावरण और पृथ्वी के हित में उठी आवाजों को विकास विरोधी कहकर कमजोर करने का प्रयास करती हैं। यह भी निर्विवाद है कि पृथ्वी की हानि कम करने के प्रयास भी हो रहे हैं। मसलन, यूरोप में बांध हटाए जा रहे हैं। साल 2021 में यूरोप के 17 देशों में 239 बांध हटाए गए। 22 मई, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा था–'हमने प्रकृति के विरुद्ध युद्ध छेड़ रखा है, जबकि हमें तो उसका रक्षक होना चाहिए था।' प्रकृति हमें जीवन, अवसर, सेवाएं और समाधान देती है, किंतु हमने उसकी जैव विविधता को नष्ट किया और जलवायु संतुलन में बाधाएं डालीं। स्वस्थ पृथ्वी, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यावश्यक है। अन्यथा, स्थिति यह है कि 90 प्रतिशत जनसंख्या प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर है।

बदलती जीवन शैली से संकटमय पशु आबादी

क्षमा

अपने ही इस अखबार में एक बड़ी रपट छपी थी। जिसमें बताया गया था कि पंजाब में पशुओं की गणना से पता चला कि उनकी संख्या, पिछली गणना के मुकाबले कम हो गई है। पशुओं की गणना हर पांच साल में की जाती है। इनकी संख्या में 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जिनकी गणना की गई उनमें भैंस, गाय, भेड़, बकरियां, घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट, सूअर, खरगोश, कुत्ते और हाथी शामिल हैं। क्या इस गणना में बिल्लियों, मुर्गियों, बैलों को भी शामिल किया गया था? इसी रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य में अब बस सिर्फ 127 गधे, 77 ऊंट और 1 हाथी ही बचा है। एक अच्छी खबर यह है कि देसी गायों की संख्या बढ़ती जा रही है। दुधारू पशुओं की घटती संख्या का असर दूध उत्पादन पर नहीं पड़ा है। हालांकि 2019 की गणना में बताया गया था कि भारत में पशुओं की संख्या 2012 के मुकबले 4.6 प्रतिशत अधिक है। हो सकता है पांच साल में यह कम हो गई हो। 2022 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की रिपोर्ट में बताया गया था कि पूरी दुनिया में जंगलों में रहने वाले पशु तेजी से कम हो रहे हैं। उनमें 69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पालतू पशुओं की संख्या कम होने का बड़ा कारण यह है कि लोग गांव छोड़कर शहरों की तरफ या विदेश जा रहे हैं। ऐसे में जब युवा ही नहीं होंगे साथ में तो पशुओं की देखभाल कौन करे। निरूसंदेह, इनकी देखभाल में काफी समय और मेहनत भी लगती है। इनके रहने के लिए अतिरिक्त जगह भी चाहिए। शहरों के फ्लैट सिस्टम में तो दुधारू पशु पाले ही नहीं जा सकते। हां, सालों पहले कोलकाता में एक आदमी ने अपने आठवीं मंजिल के फ्लैट में गाय पाली थी। पशुओं की हो रही कमी सिर्फ पंजाब की ही बात नहीं है, पूरे भारत की बात है। रिपोर्ट चाहे कुछ भी कहती हो, पशु पालने में बहुत मेहनत लगती है। एक बार पंजाब के लोगों का ही एक साक्षात्कार पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी–पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी–लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं। न ही उनमें इतनी मेहनत करने की ताकत है। उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। बल्कि कहें कि पूरे देश में ही अब घरों में पशु पालने का चलन कम होता जा रहा है। हालांकि उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता है कि वहां सबसे अधिक पशु हैं। पशुओं को धन कहा गया है। गो धन, गज धन, बाज धन। यानी कि गाय, हाथी और घोड़े धन जैसे ही होते हैं। गाय के दूध से ही दही, मक्खन, छाछ मिलता है। पहले खेती के कामों के लिए बछड़े भी देती थी, जिनकी इन दिनों दुर्दशा है। ट्रैक्टर के आने के बाद चूंकि बैलों की जरूरत नहीं रही, तो अब वे मारे–मारे फिरते हैं। कोई उन्हें नहीं पालता। वैज्ञानिकों ने भी बैलों की पूरी प्रजाति को खत्म करने की ठान ली है। कुछ साल पहले बताया गया था कि वैज्ञानिकों ने ऐसी प्रविधि विकसित कर ली है, जिनमें गायें अब बस बछियों को ही जन्म देंगी। हमारे देखते–देखते एक पूरी प्रजाति नष्ट हो जाएगी। सिर्फ म्यूजियम्स में बचेगी। मनुष्य की स्वार्थपरता का यह एक नमूना भर है। दूसरे नम्बर का धन गज धन यानी कि हाथी। हाथी युद्ध से लेकर बहुत से कार्य में काम आता था। अमीर लोग अपनी अमीरी का प्रदर्शन करने के लिए दरवाजे पर हाथी बांधते थे। और घोड़े, उनकी उपयोगिता के तो कहने ही क्या। वे युद्ध में तो काम आते ही थे, परिवहन का साधन भी थे। माल की ढुलाई भी करते थे। लेकिन बदलते वक्त के साथ अब बहुत कम लोग पशु पालना चाहते हैं। एक–दो किलो दूध के लिए कौन इन्हें पाले। जब आने–जाने के इतने त्वरित साधन मौजूद हों, तो भला घोड़े की क्या जरूरत। जैसा कि पंजाब की रिपोर्ट में बताया गया कि पशुओं की संख्या कम होने के बावजूद देश में दूध की कमी नहीं है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि अपने यहां 1970 में ही दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की स्थापना की गई थी। इससे जुड़े डॉ. वर्गीज कुरियन का मुख्य उद्देश्य दूध के उत्पादन को बढ़ाकर भारत को इस मामले में आत्मनिर्भर बनाना था। यह दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादन प्रोग्राम था। गुजरात से शुरू हुआ यह प्रोग्राम पूरे भारत में छा गया था। डॉ. वर्गीज कुरियन को मिल्कमैन आफ इंडिया भी कहा जाता था। उन्होंने न केवल गुजरात में बनाए दूध और उससे जुड़े तमाम उत्पादों को भारत के घर–घर पहुंचाया बल्कि इस आंदोलन से किसानों और विशेषकर स्त्रियों को भी बहुत लाभ हुआ। उनकी आय बढ़ी। इसे अमूल का नाम दिया गया था। आज भी बहुत से लोग इन उत्पादों का उपयोग करते हैं। अमूल के विज्ञापन भी बहुत चर्चित रहते आए हैं। इसका मालिकाना हक भी दूध उत्पादन करने वालों के पास था। इसी विषय पर उन दिनों श्याम बेनेगल ने मंथन नाम से फिल्म बनाई थी। इसमें स्मिता पाटिल ने शानदार अभिनय किया था। इसके बाद तो बहुत–सी अन्य डेयरियां भी खुलीं। भारत की दस प्रमुख डेयरियों में अमूल (गुजरात), मदर डेयरी (दिल्ली), मिल्मा (केरल), दूधसागर (मेहसाणा, गुजरात), नंदिनी (कर्नाटक), पराग (महाराष्ट्र), स्रीबर (अमेरिका), वेरका (पंजाब) आवनि, (तमिलनाडु) आदि शामिल हैं।

..... विविध .....

भूलकर भी दूध के साथ न खाएं ये चीजें, नहीं तो हो सकती हैं ये गंभीर बीमारी

दूध हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, आयरन जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध पीने से शरीर को ऊर्जा भी मिलती है और यह विकास में सहायक होता है। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार, कुछ चीजें हैं जिन्हें दूध के साथ नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनका सेवन करने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मछली

दूध और मछली का एक साथ सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मछली दोनों में प्रोटीन की अधिक मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। इस संयोजन से शरीर में पाचन क्रिया असंतुलित हो सकती है, जिससे पेट दर्द, उल्टी, और अन्य पाचन संबंधित समस्याएं जैसे गैस, अपच और पेट में भारीपन हो सकता है। इसके अलावा, इन दोनों के मिलाने से शरीर में विषाक्त तत्व उत्पन्न हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खट्टे फल

नींबू, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। खट्टे फल में एसिड की अधिकता होती है, जो दूध के साथ मिलकर द्रव का खट्टापन बढ़ा सकती है और पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। इससे पेट में जलन, एसिडिटी, और अपच की समस्या हो सकती है। विशेष रूप से यदि आप खट्टे फल खाते हैं और फिर तुरंत दूध पीते हैं, तो यह दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट कर सकता है, जिससे पाचन तंत्र में असंतुलन हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप पेट में गैस, जलन और ताजगी की कमी महसूस हो सकती है।

नमक वाली चीजें

दूध के साथ नमक वाली चीजें जैसे चिप्स, नमकीन, या खारे पकवान खाना भी हानिकारक हो सकता है। नमक और दूध का मिश्रण शरीर में सोडियम और लैक्टोज के बीच असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। यह रक्तचाप को बढ़ा सकता है और दिल की बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकता है। साथ ही, शरीर में पानी का असंतुलन हो सकता है, जिससे त्वचा की समस्याएं, जैसे सूजन और खुजली, और बालों का झड़ना भी हो सकता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र की समस्याओं को भी जन्म दे सकता है, जैसे गैस, एसिडिटी और पेट में भारीपन।

शहद

आयुर्वेद के अनुसार, दूध और शहद का एक साथ सेवन शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है। यह संयोजन पाचन तंत्र पर असर डाल सकता है और त्वचा पर मुंहासे, रैशेज और जलन जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। शहद में प्राकृतिक शर्करा और दूध के प्रोटीन का मिलन शरीर में विषाक्त पदार्थों का निर्माण कर सकता है, जिससे शरीर की आंतरिक उर्जा असंतुलित हो सकती है। इसके अलावा, यह गैस्ट्रिक समस्याओं को भी उत्पन्न कर सकता है, जैसे कि अपच, पेट में भारीपन और ताजगी की कमी।

आलू

दूध के साथ आलू का सेवन भी नुकसानकारी हो सकता है। आलू में स्टार्च की अधिकता होती है, जो दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट करके शरीर में गैस और पेट की समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह संयोजन अपच, पेट दर्द और पेट में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। आलू में मौजूद कार्बोहाइड्रेट और दूध के प्रोटीन मिलकर पाचन तंत्र को धीमा कर सकते हैं, जिससे पेट में भारीपन और असुविधा महसूस हो सकती है।

मिठाइयां

दूध के साथ मिठाइयां जैसे मिठा पनीर, गुलाब जामुन, रसगुल्ला आदि खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मिठा दोनों का संयोजन रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे शरीर में ऊर्जा की कमी और सुस्ती महसूस हो सकती है। साथ ही, यह शर्करा के अधिक सेवन के कारण मधुमेह के खतरे को बढ़ा सकता है। इस संयोजन से शरीर में गड़बड़ हो सकती है, जिससे थकान, वजन बढ़ना और अन्य शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

चाय या कॉफी

चाय या कॉफी के साथ दूध का सेवन कई बार पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इन दोनों में मौजूद कैफीन और दूध के प्रोटीन का मिश्रण शरीर में पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। इससे ऊर्जा का प्रवाह सही तरीके से नहीं हो पाता और नींद में खलल पड़ सकता है। अगर आप चाय या कॉफी पीते हैं, तो दूध का सेवन बाद में करना बेहतर है। साथ ही, यह संयोजन पाचन तंत्र में गैस और अपच जैसी समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है।

खजूर

दूध के साथ खजूर का सेवन भी सावधानी से करना चाहिए। खजूर में उच्च मात्रा में शुगर होती है, और जब इसे दूध के साथ मिलाया जाता है, तो यह शरीर में पित्त का असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। पित्त बढ़ने से त्वचा पर रैशेज, मुंहासे और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस संयोजन से शरीर में गर्मी का प्रभाव बढ़ सकता है, जो त्वचा की समस्याओं और गैस्ट्रिक समस्याओं का कारण बन सकता है। इन बातों का ध्यान रखते हुए, दूध का सेवन सही तरीके से करना चाहिए ताकि आपके शरीर को इससे अधिकतम लाभ मिल सके और कोई भी स्वास्थ्य समस्या न हो।

सिर्फ चीनी नहीं, रोज नाश्ते में खाया जाने वाला ये फूड भी बढ़ा सकता है कैंसर का खतरा!

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, जो शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है और धीरे–धीरे पूरे शरीर को नुकसान पहुंचाती है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि कैंसर सिर्फ बाहरी या प्रोसेस्ड फूड खाने से होता है, लेकिन एक ताजा स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कैंसर का कारण सिर्फ चीनी नहीं, बल्कि अंडा भी हो सकता है, जो हम में से कई लोग रोजाना नाश्ते में खाते हैं।

चीनी और कैंसर का गहरा कनेक्शन

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, कैंसर सेल्स को ग्रो करने के लिए शुगर यानी चीनी की जरूरत होती है। कैंसर से ग्रस्त सेल्स शरीर की सामान्य कोशिकाओं की तुलना में ज्यादा चीनी का इस्तेमाल करती हैं। खासतौर पर सफेद चीनी, जो हमारे घरों में आमतौर पर उपयोग होती है, कैंसर सेल्स को ष्खुराकष् देती है।

नाश्ते में ली जाने वाली मीठी चाय, ब्रेड जैम, मिठाइयाँ, या शक्कर वाले सीरियल्स कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। चीनी के ज्यादा सेवन से इंसुलिन रेजिस्टेंस और मोटापा बढ़ता है, जो आगे चलकर शरीर में सूजन और कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म दे सकता है।

अब अंडा भी शक के घेरे में! स्टडी में चौंकाने वाला दावा

सिर्फ चीनी ही नहीं, एक और आम चीज जो कैंसर के खतरे से जुड़ी हुई है – वो है अंडा। अंडा प्रोटीन और पोषण का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन हाल ही में हुई एक स्टडी में इसके बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

स्टडी की जानकारी

साल 1996 से 2004 के बीच उरुग्वे में एक रिसर्च की गई थी। इसमें 3,500 कैंसर मरीजों और 2,000 से ज्यादा अस्पतालों को शामिल किया गया। रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों ने अधिक मात्रा में अंडा खाया था, उनमें कैंसर की संभावना ज़्यादा पाई गई।

इस रिसर्च में यह भी सामने आया कि इन मरीजों में न केवल हाई कोलेस्ट्रॉल बल्कि धूम्रपान, अस्वस्थ खानपान और सूजन जैसी आदतें भी देखी गईं, जो कैंसर के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं।

कौन–कौन से कैंसर से जुड़ा है अंडे का सेवन?

स्टडी के अनुसार, अंडे का अत्यधिक सेवन इन प्रकार के कैंसर से जुड़ा हो सकता हैरू

कोलोरेक्टल कैंसर (आंतों का कैंसर)

लंग कैंसर (फेफड़ों का कैंसर)

ब्रेस्ट कैंसर (स्तन कैंसर)

प्रोस्टेट कैंसर (पुरुषों में ग्रंथि से जुड़ा कैंसर)

ब्लैडर कैंसर (मूत्राशय का कैंसर)

यह बात साफ कर दी गई है कि ये खतरा उन लोगों में ज़्यादा पाया गया जो बहुत अधिक मात्रा में अंडे खाते थे। यानी संतुलित मात्रा में अंडा खाने से इतना जोखिम नहीं है।

सिर्फ अंडा और चीनी ही नहीं ये चीजें भी बढ़ा रही हैं कैंसर का खतरा

बाजार में मिलने वाले रेडी–टू–ईट मील्स, फास्ट फूड्स, प्रोसेस्ड फूड्स, और शुगर ड्रिंक्स भी कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं। इन सब चीजों में मौजूद रसायन, संरक्षक और अत्यधिक चीनी शरीर में कैंसर सेल्स की ग्रोथ को तेज कर सकते हैं।

क्या करें बचाव?

संतुलित मात्रा में अंडा और चीनी का सेवन करें।

रोजाना का खाना ताजा और घर का बना होना चाहिए।

फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं।

हर दिन थोड़ी बहुत एक्सरसाइज या योग करें ताकि शरीर एक्टिव रहे।

साल में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर कराएं।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचने के लिए केवल दवाओं पर नहीं, बल्कि अपने खान–पान और जीवनशैली पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है।

चीनी और अंडा जैसे रोजाना खाए जाने वाले फूड्स से भी कैंसर का जोखिम हो सकता है, अगर उनका सेवन जरूरत से ज़्यादा और लगातार किया जाए। इसीलिए, सेहतमंद रहने के लिए हर चीज संतुलित मात्रा में खाएं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

युवक की बेरहमी से हत्या, एक साल पहले ही हुई थी शादी

लखनऊ, (संवाददाता)। अमेठी में जामो के कल्याणपुर गांव में सोमवार देर रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई। मुर्गी फार्म पर सो रहे शिवम कोरी (25) की बांके से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों की क्रूरता का आलम यह रहा कि शिवम का सिर धड़ से अलग हो गया। घटना के बाद से गांव में तनाव है। पुलिस ने चार नामजद व छह अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया है। पिता छोटेलाल ने बताया कि शिवम मजदूरी करता था। सोमवार रात गांव के बाहर रितेश के मुर्गी फार्म पर गया था। देर रात तक घर न लौटने पर जब परिजन ढूंढने पहुंचे, तो वह फार्म पर खून से लथपथ पड़ा मिला। ग्रामीणों के साथ परिजन उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामो पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया। वहां पहुंचने पर शिवम को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को दी तहरीर में बताया गया है कि दो युवक मुर्गी फार्म पर पहुंचे और चाकू व बांके से ताबड़तोड़ हमला कर शिवम की जान ले ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार, भारी फोर्स और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। टीम ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और सबूत जुटाए। सूत्रों के अनुसार सोमवार देर शाम विवेक मानसिंह व विकास यादव के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनमें आपस में विवाद हो गया। इसी बीच दोनों ने शिवम पर बांके से हमला कर दिया। इंस्पेक्टर विवेक सिंह के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही हत्या का कारण पता चलेगा। शिवम की हत्या से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी माधुरी का रो–रोकर बुरा हाल है। अस्पताल में मौजूद वह बार–बार यही कह कर बेसुध हो जा रही थी कि हे भगवान, अब किसके सहारे जिऊंगी...। एक वर्ष पहले 20 अप्रैल 2024 को ही शिवम की शादी हुई थी। शिवम की मां विमला देवी भी दहाड़े मारकर रो रही थीं। बहनें रेखा, रेनू, प्रीति और प्रिया, भाई आजाद और पिता छोटेलाल का भी रो रोकर बुरा हाल रहा। पूरे गांव में मातम पसरा है। विवेक मानसिंह व विकास यादव पर हत्या का केस दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

यूपी में लू का अलर्ट, 44.3 डिग्री के साथ प्रयागराज रहा सबसे गर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। गर्मी ने प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर ही दिया है। अप्रैल के तीसरे सप्ताह के पहले ही दिन गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। इस सीजन में पहली बार पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा। आगरा ब्रज क्षेत्र में सबसे गर्म रहा। वहीं, प्रदेश के सबसे गर्म शहरों में आगरा छठे पायदान पर रहा। प्रयागराज और वाराणसी प्रदेश में सबसे गर्म शहर रहे। मौसम विज्ञानी अगले तीन दिन गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने की बात कह रहे हैं। मंगलवार को पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही लू भी चलने की आशंका व्यक्त करते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 15 दिनों में सिर्फ तीन बार ही अधिकतम तापमान 41 डिग्री के पार पहुंचा है लेकिन मौसम के तेवर लगातार तीखे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र ने दो दिन पहले ही तीक्ष्ण गर्मी और लू के लिए अलर्ट जारी किया था। सोमवार को सुबह से ही धूप निकली और दिन चढ़ने के साथ ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा। राजधानी में सोमवार को दिन चढ़ने के साथ ही लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ा। इस गर्मी के मौसम में पहली बार लखनऊ में पारा 41.4 डिग्री सेल्सियस के सूचकांक तक पहुंचा जो सामान्य से 2.9 डिग्री ज्यादा रहा। सोमवार को इस सीजन के सबसे गर्म दिन के तौर पर रिकार्ड किया गया। लखनऊ में दिन के साथ ही रातें भी सामान्य से ज्यादा गर्म होने लगी हैं। सोमवार की रात का पारा 1.9 डिग्री की उछाल के साथ 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 4.8 डिग्री ज्यादा रहा। तापमान में बढ़ोतरी की बात करें तो बीते दो दिन में अधिकतम तापमान में 5.5 डिग्री का उछाल देखने को मिला है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक फिलहाल अगले पांच दिन धीरे–धीरे पारे 2 से 3 डिग्री की बढ़त के साथ गर्मी का कहर यूं ही जारी रहने वाला है।सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का पारा 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, प्रधान समेत चार घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में सोमवार की रात पुरानी रंजिश में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग लाठी–डंडे और असलहा लेकर आमने–सामने आ गए। मारपीट और फायरिंग में चार लोग घायल हो गए। घटना से गांव में अफरातफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घटना गौरीगंज क्षेत्र के संभावा गांव की है। बताया गया कि हिस्ट्रीशीटर और ग्राम प्रधान संजय यादव को भी गोली लगी है। परिजन किसी को कुछ बताए बिना उन्हें कहीं अज्ञात स्थान पर इलाज के लिए ले गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची। घटना की जानकारी ली। अन्य घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। सुरक्षा को देखते हुए गांव और अस्पताल परिसर में पुलिस बल तैनात है। इंस्पेक्टर श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाइब्रेरी का समय बढ़ाने की मांग पर किया घेराव

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी और साइबर लाइब्रेरी के खुलने का समय बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को छात्रों ने मानद लाइब्रेरियन कार्यालय का घेराव किया। लाइब्रेरी की समस्याओं के संबंध में भी नाराजगी जताई। छात्रों ने आरोप में कहा कि लाइब्रेरी में रोजाना सैकड़ों छात्र पहुंचते हैं, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं में कमी है। शौचालयों में गंदगी रहती है। पीने के पानी की भी व्यवस्था ठीक नहीं है। समस्याओं के निराकरण के लिए छात्र नेता शुभम खरवार की अगुवाई में छात्रों ने मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. केया पांडेय को मांग पत्र सौंपा। इस दौरान छात्रों ने अपनी पुस्तक टैगोर लाइब्रेरी में ले जाने, शौचालय की सफाई और शोध छात्रों की समस्याएं दूर करने की मांग रखी। प्रदर्शन में तौकील गाजी, प्रेम प्रकाश, वरुण, अमितेश, अनादि अन्नू समेत तमाम छात्र मौजूद रहे।

डंपर में फंसा बाइक सवार किसान, पैर कटा

लखनऊ, (संवाददाता)। दुबग्गा में सोमवार को मिट्टी लदे डंपर ने बाइक सवार करझन गांव निवासी किसान छोटे लाल (45) को टक्कर मार दी। बाइक समेत वह डंपर में फंस गए और 20 मीटर तक घिसटते चले गए। हादसे में उनका बायां पैर कट कर अलग हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया। छोटे लाल सोमवार सुबह गोमतीनगर फूल मंडी में गेंदा के फूल बेचकर घर लौट रहे थे। सुबह 9रू30 बजे दुबग्गा में बाजनगर आउटर रिंग रोड अंडरपास के पास डंपर पीछे से बाइक में टकरा गया। इससे बाइक डंपर में फंस गई। ट्रामा सेंटर में घायल का इलाज जारी है। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि आरोपी डंपर चालक नीलकमल मिश्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

आंबेडकर प्रतिमाओं के अनादर व दलितों पर अत्याचार को लेकर भड़कीं मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने देश–प्रदेश में कई जगहों पर आंबेडकर जयंती के अवसर पर संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं के अनादर और उनके जुलूस पर हुए हमलों को अतिनिंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि दलित समाज ऐसे लोगों को माफ नहीं करेगा। उन्होंने एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा कि संविधान निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इस बार देश के कई राज्यों में इनकी प्रतिमा का अनादर व उस मौके पर कार्यक्रम और जुलूस पर सामंती तत्वों के हमलों में अनेक लोगों के हताहत होने की घटनाएं अति–शर्मनाक व यह सरकारों के दोहरे चरित्र का प्रमाण है। ऐसे दुखद मामलों में खासकर मध्य प्रदेश के मुरैना में अम्बेडकर जुलूस पर हुए हमले में दलित की हुई हत्या व अनेकों के घायल होने की घटना अति–निन्दनीय है जिसमें दोषियों के विरुद्ध अभी तक भी सख्त कार्रवाई नहीं किये जाने से राज्य सरकार इसमें स्पष्ट संलिप्तता को लेकर कठघरे में है। अतः केन्द्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर ऐसे हो रहे अन्याय–अत्याचार व इनके महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के अनादर–अपमान की घटनाओं को गंभीरता से लेकर जरूर सख्त कार्रवाई करके इसे रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे अर्थात सरकारें इस ओर जरूर ध्यान दें। साथ ही, ऐसी जातिवादी घटनाओं से स्पष्ट है कि केन्द्र व राज्य सरकारें बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती आदि पर जो कार्यक्रम आयोजित करती है वे सब दलितों के वोट के स्वार्थ की खातिर पूर्णतः छलावा है। दलित समाज ऐसे दोहरे चाल, चरित्र व चेहरे वाली पार्टियों से जरूर सावधान रहें। इस बार आंबेडकर जयंती के अवसर पर सभी राजनीतिक दलों ने कार्यक्रमों का आयोजन किया था। वहीं, प्रदेश के अलग–अलग जगहों से डॉ. आबेडकर की प्रतिमाओं का अनादर करने की खबरें भी आई थी। वहीं, इस दौरान निकाले गए जुलूस पर हमले होने की खबरें आई थीं।

संक्षिप्त समाचार

11 जिलों के जिलाधिकारी व सूचना विभाग सहित कई बड़े विभागों के अधिकारी बदले

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में सोमवार रात 33 आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। 11 जिलों के जिलाधिकारी बदले गए हैं। वहीं, कई महत्वपूर्ण विभागों में भी अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल किया गया है। लंबे समय तक सूचना निदेशक के पद पर रहे आईएएस शिशिर का तबादला कर उन्हें विशेष सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मद्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उ०प्र० शासन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई है। आईएएस अनुपम शुक्ला अंबेडकरनगर जिले के नए जिलाधिकारी होंगे। इसी तरह वाराणसी के मंडलायुक्त रहे आईएएस कौशल राज शर्मा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सचिव नियुक्त किया गया है। इंद्रजीत सिंह नगर आयुक्त लखनऊ से विशेष सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग व निदेशक यूपीनेडा एवं प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश रिनुवेवेल एंड ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड बनाए गए हैं। एल वेंकटेश्वरलू से प्रमुख सचिव परिवहन और अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का प्रभार हटा दिया गया है। उनके पास समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण विभाग तथा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी व दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम विकास संस्थान तथा निदेशक अनुसूचित जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा निदेशक छत्रपति शाहूजी महाराज का प्रभार रहेगा। अमित गुप्ता को प्रमुख सचिव स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन के साथ प्रमुख सचिव परिवहन और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आईएएस प्रेरणा शर्मा को डीएम हापुड़ से निदेशक सूडा नियुक्त किया गया है। नवनीत सिंह चहल डीएम आजमगढ़ से विशेष सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय, अनुपम शुक्ला विशेष सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग, निदेशक यूपीनेडा एवं प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश रिनुवेवेल एंड ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से डीएम अंबेडकर नगर बनाए गए हैं। इसी तरह गौरव कुमार मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक प्रयागराज से नगर आयुक्त लखनऊ, आर्यका अखौरी डीएम गाजीपुर से विशेष सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, विशाल भारद्वाज डीएम कुशीनगर से विशेष सचिव मुख्यमंत्री, डॉ. उज्ज्वल कुमार विशेष सचिव एमएसएमई तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन, पुलकित खरे विशेष सचिव नियोजन से मिशन निदेशक कौशल विकास मिशन बनाए गए हैं।

20 से अधिक महिलाओं ने एक साल में 5–5 बार बच्चों को दिया जन्म

लखनऊ, (संवाददाता)। आगरा में जननी सुरक्षा योजना में हुए फर्जीवाड़े को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर कहा कि भाजपा राज में धांधली और भ्रष्टाचार का ये कमाल है कि कहीं मतदाता सूची में 37 मतदाताओं का एक पिता दर्ज है और अब 'जननी सुरक्षा योजना' में इस फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ है कि 20 से अधिक महिलाओं ने एक साल में 3 ही नहीं 5–5 बार बच्चों को जन्म दिया है, ये रिकॉर्ड दर्ज है, जिसका असली मकसद ये है कि शासन–प्रशासन मिलजुल कर इस योजना का पैसा खा सके। ये है भाजपा की योजनाओं और फर्जी आंकड़ों का सच। ज्तमदकपदह टपकमवे बता दें कि अमर उजाला में छपी एक खबर के मुताबिक जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) घोटाले में फर्जीवाड़े की इंतहा हुई है। एक महिला के 6 महीने में 10 बार प्रसव दर्शाकर सरकारी रकम खाते से निकाल ली गई। अधिकारी भी आंखों पर पट्टी बांध लाभार्थियों की संस्तुति करते रहे।

शिवम की नृशंस हत्या से कल्याणपुर में कोहराम, प्रशासन अलर्ट, निष्पक्ष जांच की

लखनऊ, (संवाददाता)। कल्याणपुर गांव के रहने वाले शिवम कोरी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पूरे गांव में मातम और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा ही जिला अस्पताल स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पर मृतक के परिजन आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र पदाधिकारी संग डटे रहे। हरिश्चंद्र का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच व कार्रवाई नहीं

रहा है। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी इस मामले को लेकर सक्रियता तेज कर दी है। परिजनों की तहरीर पर गांव के विकास यादव व मान सिंह सहित दो अज्ञात लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। मंगलवार सुबह से हुई तो पार्टी ग्रामीणों संग सड़कों पर उतरेगी। इसी बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी पीड़ित परिवार से मुलाकात के लिए गांव रवाना हुए, जिसकी पुष्टि पार्टी प्रवक्ता अनिल सिंह ने की। वहीं, सूत्रों के अनुसार प्रशासन उन्हें बॉर्डर पर ही रोकने की तैयारी में है। गांव में चर्चा है कि चार महीने पहले शिवम के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज हुआ था जिसके चलते उसे जेल भी जाना पड़ा। दो महीने जेल में रहने के बाद वह जमानत पर रिहा हुआ था तब से उसे लगातार धमकियां मिल रही थीं। परिजनों के मुताबिक, दो दिन पहले भी उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी। घटनास्थल से शराब की बोतल और बियर के कैन बरामद हुए हैं जिससे पुलिस प्रथम दृष्टया इसे नशे की हालत में हुई हत्या मान रही है। हालांकि मृतक के शरीर पर बांके से किए गए गले और चेहरे तक के कई वार यह संकेत दे रहे हैं कि हत्या पूर्व नियोजित और अत्यंत आक्रोश में की गई। चश्मदीदों के अनुसार मौके पर दो से अधिक लोग मौजूद थे लेकिन एफआईआर में सिर्फ दो के नाम दर्ज होना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

जान जोखिम में डाल 20 फिट गहरे सीवरेज प्लांट के टैंक में उतरा आरक्षी अवधेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे रितेश अपने बड़े भाई रूपेश और दो बहनों के साथ खेल रहा था। इसी बीच वह सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की रेलिंग पर चढ़ने के दौरान 20 फुट गहरे टैंक में गिर गया। टैंक के ऊपर ढक्कन नहीं रखा हुआ था। रूपेश और बहनों ने मदद के लिए शोर मचाया। पार्क के ओपन जिम में मौजूद विवेक सिंह व रोहित दौड़ कर टैंक के पास पहुंचे। अंदर उन्हें रितेश छटपटाता दिखाई दिया। दोनों दौड़कर पार्क के बाहर गए और टिंबर वाले के पास से सीढ़ी और बांस लेकर आए। इसी बीच गुडंबा थाने के शिवानी विहार चौकी प्रभारी केशव झा, खत्री चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह व मुख्य आरक्षी अवधेश यादव भी मौके पर पहुंच गए। अंदर रितेश दिखाई नहीं दे रहा था। इसके बाद आरक्षी अवधेश यादव सीढ़ी के सहारे नीचे टैंक में उतरे। करीब 20 मिनट के

प्रयास के बाद रितेश को ढूंढ निकाला फिर लोगों की मदद से रितेश को बाहर निकाला गया। बेसुध रितेश को ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर इन्दिरा नगर के दमकलकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि ओपन जिम के पास सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का एक हिस्सा टूटने से गड्ढा हो गया है। करीब दो माह पूर्व छह साल का आर्यन गिर गया था। उस समय वहां मौजूद सीतापुर निवासी नसीर ने उसकी जान बचा ली थी। नगर निगम के अभियंत्रण विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि पार्क के मुख्य गेट के पास भी नाला का खुला हुआ है। इसके अलावा पार्क की बाउंड्री के सटे सड़क से लगे एक नाले का बड़ा हिस्सा खुला हुआ है। सड़क के मोड़ पर होने के कारण दुर्घटना की संभावना हमेशा बनी रहती थी।

लखनऊ से दिल्ली के साथ जोरदार टक्कर की उम्मीद

लखनऊ, (संवाददाता)। पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दो रन से मिली जीत से उत्साहित लखनऊ सुपरजायंट्स के सामने अब दिल्ली कैपिटल्स की मजबूत चुनौती होगी। मुकाबले में मेजबान न सिर्फ का विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे, बल्कि आईपीएल के पहले मुकाबले में दिल्ली से मिली हार का हिसाब चुकाने भी टीम की नजर होगी। दूसरी ओर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज दिल्ली की टीम एक और जीत के साथ प्लेऑफ की दावेदारी ठोकने उतरेगी। बताते चले कि 24 मार्च को हुए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स पर एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की थी, जिसमें आशुतोष शर्मा (नाबाद 66 रन) ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर लखनऊ के जबड़े से जीत छीन ली थी। धमाकेदार फॉर्म में चल रहे निकोलस पूरन के ऊपर लखनऊ सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी क्रम का सबसे ज्यादा भार है। उनका दमदार प्रदर्शन टीम की जीत की गारंटी बन जाता है, जबकि न खेलने पर टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ा जाती है। पिछले दो मुकाबलों की बात करे तो चेन्नई के खिलाफ पूरन ने आठ रन बनाए। इस कारण टीम 166 रन ही बना सकी और मुकाबला लखनऊ के हाथ से निकल गया। इसके बाद राजस्थान के खिलाफ पूरन के खाते में महज 11 रन बनाए और यहां भी टीम 180 रन का आंकड़ा छू सकी। मुकाबले में आवेश खान ने पारी का करिश्माई आखिरी ओवर डालते हुए लखनऊ को रोमांचक जीत दिलाई। इसके अलावा टीम के स्पीडस्टार मयंक यादव भी अपने घरेलू मैदान में दिल्ली के खिलाफ खेल सकते हैं। वे राजस्थान के लिए पांच सब्टीट्यूट खिलाड़ियों में शामिल थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं दी। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनका खेलना तय माना जा रहा है। लखनऊ के लिए कप्तान पंत को भी अपने प्रदर्शन में सुधार लाना होगा, जो अभी तक चेन्नई के खिलाफ 63 रन की इकलौती पारी खेलने के अलावा अन्य मुकाबलों में पूरी तरह नाकाम रहे। मुकाबले से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स अपने पूर्व कप्तान केएल राहुल से सबसे अधिक सावधान रहना होगा। पहले तीन सत्रों में लखनऊ की कप्तानी कर चुके केएल राहुल को टीम की खामियों और खूबियों की अच्छी खासी जानकारी है, जो टीम प्रबंधन के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। इसके अलावा राहुल का धमाकेदार फॉर्म भी लखनऊ के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। छह मैचों में 53.20 की औसत से 266 रन बनाने वाले राहुल ने पूर्व में इकाना स्टेडियम में कई बड़ी पारियां खेली हैं। इसके अलावा गेंदबाजी में इनफॉर्म कुलदीप यादव (सात मैच में 14.58 की औसत से 12 विकेट) और मिचेल स्टार्क (सात मैच में 26.70 की औसत से 10 विकेट) भी लखनऊ के बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश कर सकते हैं। मुकाबले में लखनऊ के युवा लेग स्पिनर विप्रज निगम (सात मैच में 27 की औसत से सात विकेट) से सावधान रहना होगा, जो इकाना स्टेडियम की पिच का फायदा उठाकर लखनऊ के बल्लेबाजों पर दबाव बना सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स के युवा लेग स्पिनर विप्रज निगम अपने शहर लखनऊ में पहले आईपीएल मैच को लेकर खासे उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि आईपीएल में हमारी टीम का प्रदर्शन अभी तक शानदार रहा है। लखनऊ के खिलाफ हम जीत के साथ अपना दबदबा कायम करने उतरेंगे। पूर्व में भी हम उन्हें हरा चुके हैं और इस बार भी जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेंगे। लखनऊ से होने वाले मुकाबले से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि दिल्ली की टीम में मेरे अलावा समीर रिजवी को इकाना स्टेडियम में खेलने का खासा अनुभव है। यूपी टी–20 लीग में हमने काफी मैच खेले हैं। टीम में केएल राहुल भी आईपीएल के पहले दो सत्रों में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान रहे हैं। कुल मिलाकर हमारी टीम में ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने न सिर्फ इकाना में खेला है, बल्कि उन्हें लखनऊ टीम की खूबियों और खामियों का भी अंदाजा है। अपने प्रदर्शन के बाबत पूछे गए प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि आईपीएल में किए अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट हूं। डेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा है। सीनियर काफी समझाते रहते हैं जिससे हमें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। उम्मीद है कि आगे के मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन जारी रखूंगा। टीमें अपने रोल के बारे में विप्रज ने कहा कि वैसे तो मेरा मुख्य काम गेंदबाजी करना है, लेकिन बल्लेबाजी में अगर टीम प्रबंधन मुझे मौका देता है तो यहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करूंगा। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में सोमवार शाम को आयोजित संयुक्त अभ्यास सत्र के दौरान लखनऊ सुपरजायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया। सत्र के दौरान सबकी नजरें लखनऊ के स्पीडस्टार मयंक यादव पर जमीं रही, जिन्होंने रफ्तार के साथ नेट्स पर गेंद डाली। बताते चले कि मयंक को राजस्थान के लिए खिलाफ मुकाबले में पांच सब्टीट्यूट खिलाड़ियों में शामिल किया गया है, लेकिन अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला। आज उनकी गेंदबाजी में देखकर लगा कि दिल्ली के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मुकाबले में मयंक का खेलना तय है। नेट्स पर गेंद डालते समय टीम मेंटर जहीर खान ने मयंक के साथ बातचीत भी की। अभ्यास सत्र में दिल्ली के केएल राहुल पर भी सबकी नजरें रहीं। पहले दो सत्र में लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी करने वाले राहुल पहली बार अपनी टीम के खिलाफ उतरेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले से जम्मू कश्मीर जाने वाले पर्यटको पर नही दिख रहा भय

अयोध्या। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को निहत्थे पर्यटकों पर आतंकियों द्वारा किए गए हमले की निंदा अयोध्या में भी हो रही है।एक ओर जहां विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी इन आतंकियों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना है आतंकी अपने मकसद में कभी भी कामयाब नहीं होंगे।शहर के लोगों का कहना है कि आतंकी जम्मू कश्मीर तथा अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में जाने वाले पर्यटको पर इस तरह की हमला कर यहां पर आने वाले पर्यटको को डराना चाहते हैं।लेकिन ऐसा कतई नहीं होगा।शहर वासियों ने बताया कि आतंकियों ने भी यह हमला इस समय किया है क्योंकि आने वाले में मई तथा जून माह में काफी पर्यटक बच्चों की छुट्टी होने के चलते जम्मू के अलावा जम्मू कश्मीर, वैष्णो देवी,पहलगाम, गुलमर्ग सहित अन्य पहाड़ी क्षेत्रों पर जाना पसंद करते हैं।इस संबंध में साहबगंज निवासी मनोज कुमार ने बताया कि आतंकियों ने यह सोच समझकर हमला किया होगा कि आने वाले दिनों में जहां काफी संख्या में देश विदेश के कोने–कोने से पर्यटक जम्मू कश्मीर, वैष्णो देवी, पहलगाव, गुलमर्ग सहित अन्य पहाड़ी क्षेत्र पर जाएंगे कुछ ही दिनों में अमरनाथ की यात्रा भी प्रारंभ होने वाली है।इसी सबको प्रभावित करने के लिए इस तरीके का कायाराना हमला किया।उन्होंने बताया हम लोग आने वाले दिनों में वैष्णो देवी जाएंगे।वही आदर्श पुरम कॉलोनी की महिला नहीं बताया कि कल की घटना की जितनी निंदा की जाए कम है।आतंकी यह नहीं चाहते हैं कि कश्मीर की वादियों में अमन चौन हो। इस संबंध में उन्होंने बताया कि आतंकी चाहे कितनी बार क्यों ना हमला करें लेकिन केंद्र व राज्य सरकार पर भरोसा है कि वहां के पर्यटकों के आवागमन में लगातार वृद्धि होगी। वहीं गैर जनपद के पंकज श्रीवास्तव ने बताया वे जून में उनका और अपने परिजनों के साथ वैष्णो देवी,कश्मीर, श्रीनगर,पहलगाम, गुलमर्ग सहित अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में जाने के लिए हवाई टिकट,होटल आदि है।उन्होंने बताया कि अगर आतंकियों के डर से पर्यटक इन स्थानों पर जाना छोड़ देंगे तो वे अपने मकसद में जरूर कामयाब होंगे।उन्होंने केंद्र सरकार पर भरोसा जताया कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे साथ ही साथ इस हमले का मुंह तोड़ जवाब देंगे और एक और सर्जिकल स्ट्राइक करेंगे।

एसकेडी एकेडमी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की श्रद्धांजलि में दो मिनट का मौन रखा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष नागरिकों की याद में एसकेडी एकेडमी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए विद्यालय परिसर में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के छात्र, शिक्षक और स्टाफ के सदस्य इस अवसर पर एकत्र हुए और एकजुटता के साथ खड़े होकर इस अमानवीय कृत्य की निंदा करते हुए मृतकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभी ने मौन धारण कर न केवल दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धा प्रकट की, बल्कि उन परिवारों के प्रति भी सहानुभूति जताई जो इस हमले से प्रभावित हुए हैं। यह श्रद्धांजलि सभा एसकेडी एकेडमी द्वारा शांति, अहिंसा और सौहार्द जैसे मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतीक भी रही। इस अवसर पर एसकेडी ग्रुप के निदेशक मनीष सिंह एवं उपनिदेशक निशा सिंह भी उपस्थित रहे और विद्यालय परिवार के साथ इस शोक के क्षण में सहभागी बने। सभा को संबोधित करते हुए मनीष सिंह ने कहा कि समाज में करुणा, भाईचारे और शांति की भावना को बढ़ावा देना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने–अपने घरों में एक दीपक प्रज्वलित करें, जिससे शोकाकुल आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि के साथ–साथ आशा, एकता और संकल्प का संदेश भी समाज को दिया जा सके।

जौनपुर अधिवक्ता परिषद की कार्यकारिणी का हुआ गठन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अधिवक्ता परिषद की बैठक कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुई , जिसमें अधिवक्ता परिषद जौनपुर इकाई का गठन अधिवक्ता परिषद के काशी प्रांत के महामंत्री श्रीमान नीरज सिंह जी एडवोकेट व जोनल आयाम प्रमुख श्री संदीप जी की उपस्थिति में हुआ ।बैठक में कलेक्ट्रेट बार के अध्यक्ष श्रीमान घनश्याम सिंह एडवोकेट एवं महामंत्री श्री मनोज कुमार मिश्रा एडवोकेट उपस्थित रहे । जौनपुर अधिवक्ता परिषद की गठित कार्यकारिणी श्री रणंजय सिंह एडवोकेट अध्यक्ष , श्री सुनील कुमार पांडेय एडवोकेट

महामंत्री , श्री सुनील कुमार गुप्ता एडवोकेट उपाध्यक्ष ,श्री ज्ञानेंद्र दत्त दुबे एडवोकेट उपाध्यक्ष , श्री विनोद कुमार श्रीवास्तव उर्फ पंकज एडवोकेट उपाध्यक्ष , श्रीमती आराधना गुप्ता एडवोकेट उपाध्यक्ष , श्री निर्भय सिंह गौतम एडवोकेट मंत्री , श्री मनोज चौधरी एडवोकेट मंत्री ,श्री संतोष विश्वकर्मा एडवोकेट मंत्री ,श्री अभिषेक मौर्य एडवोकेट मंत्री ,श्रीमती रोहिणी पांडे एडवोकेट मंत्री ,श्री अवनीश चतुर्वेदी एडवोकेट कोषाध्यक्ष के रूप में चुने गए । संरक्षक मंडल में श्री सुनील कुमार अस्थाना एडवोकेट ,श्री अनिल सिंह कप्तान एडवोकेट ,श्री कैलाश नाथ पांडे एडवोकेट ,श्री ज्ञानचंद श्रीवास्तव एडवोकेट का चयन हुआ ।

पहलगाम आतंकी हमले की धर्मगुरुओ ने किया निंदा , पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही की किया मांग

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से पूरा देश आक्रोशित है , मंगलवार को आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए 26 लोगों को शहीद कर दिया । दिल को दहला देने वाले इस आतंकी हमले के विरोध में बेगमगंज स्तिथ जामिया इमाम जाफर सादिक में धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी की अध्यक्षता में शोकसभा का आयोजन किया गया।

शोकसभा में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए और घायलों की सलामती के लिए दुआ की गई । और इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की मांग किया ।

इस मौके पर धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की हम सख्त लफ्जों में निंदा करते हैं और जो लोग मारे गए हैं उनके परिजनों से हमदर्दी का इजहार करते हैं साथ ही घायलों को जल्दी स्वस्थ होने के लिए दुआ करते हैं ।

उन्होंने कश्मीर की अवाम से अपील करते हुए कहा कि अमन और शांति बनाए रखें और आतंकवाद को खत्म करने में मदद करें , इसके साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें । मौलाना ने केंद्र सरकार से भी अपील की है कि हमले के जिम्मेदार लोगों को खासकर पाकिस्तान को ऐसी सजा दिया जाए ताकि आने वाली उनकी नस्ले याद रखे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो । इस मौके पर मौलाना अम्बर अब्बास खान , मौलाना शाजान जैदी , मौलाना जियाफ्त हुसैन , शम्सुल हसन , सादिक रिजवी , आकिफ हुसैनी आदि के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

स्कूल चलो अभियान एवं नामांकन रैली

जौनपुर ब्यूरो

जौनपुर तहसील मडियाहूं अंतर्गत आज दिनांक 23 अप्रैल 2025 को कम्पोजिट विद्यालय शुदनीपुर वि०ख० मड़ियाहूँ जनपद जौनपुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी आ० श्री उदयभान कुशवाहा जी के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान एवं नामांकन रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि आ० खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय श्री उदयभान कुशवाहा जी, कार्यक्रम अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय जूनियर संघ के अध्यक्ष डॉ अतुल प्रकाश यादव जी, श्री आनन्द कुमार यादव (उपाध्यक्ष), श्री रायसाहब यादव, श्री अजय मिश्रा (यूटा ब्लाक अध्यक्ष),श्री संतोष कुमार सिंह प्राथमिक शिक्षक संघ (ब्लाक उपाध्यक्ष), श्री सुरेश विश्वकर्मा ग्राम प्रधान (शुदनीपुर), प्राथमिक विद्यालय शुदनीपुर का समस्त स्टाफ एवं कमपोजिट विद्यालय शुदनीपुर के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आ० खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय के द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया तत्पश्चात स० अ० श्री राजबहादुर यादव के नेतृत्व में बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।स०अ० श्री लालबहादुर यादव के नेतृत्व में मंच व्यवस्था, अनुशासन, बच्चों को प्रशस्ति पत्र, पुस्तक वितरण आदि सम्पन्न हुआ। इसके बाद खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान एवं नामांकन रैली निकाली गई जिसमें सभी सम्मानित अभिभावकगण, शिक्षक एवं बच्चे प्रतिभाग किए। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं सम्पूर्ण उत्तर दायित्व का निर्वहन विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री शिवकुमार सरोज जी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री यशवंत जी ने सुंदर संचालन किया। अन्त में खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय जी ने सुंदर कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किये।

बिलग्राम स्थित पौराणिक राजघाट पर बनेगा भव्य भागीरथी द्वार

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिला गंगा समिति हरदोई की माह फरवरी एवं मार्च 2025 की बैठकों में आमंत्रित सदस्यों द्वारा बिलग्राम के पौराणिक राजघाट पर, जिलाधिकारी महोदय से एक भव्य भागीरथी द्वार बनाये जाने की मांग की गयी थी जिसके लिए जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता शारदा नाहर, सिचाई विभाग,,अधिशाषी अभियंता, लोक निर्माण खण्ड–2 एवं जिला परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे, जिला गंगा समिति को नोडल नामित करते हुए स्थानीय स्तर पर गंगा के कैचमेंट क्षेत्र के बाहर अधिशाषी अभियंता, शारदा नहर, सिचाई विभाग को संयुक्त रूप से सर्वे कर रिपोर्ट अधिशाषी अभियंता, लोक निर्माण विभाग, खण्ड–2 को प्रेषित करने तथा लोक निर्माण विभाग को डी०पी०आर० तैयार कर 10 दिनों के अन्दर पूर्ण आख्या जिला गंगा समिति, हरदोई को

प्रेषित करने के निर्देश दिए गए थे, अधिशाषी अभियंता, शारदा नहर, सिचाई विभाग के नेतृत्व में राजघाट पर भागीरथी द्वार बनाये जाने हेतु निरीक्षण कार्य आज पूर्ण कर लिया गया। निरीक्षण के लिए मौके पर पहुचे श्री अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे, जिला गंगा समिति, अशोक कुमार देव, अवर अभियंता, ऋषि राज, कनिष्ट अभियंता, शारदा नहर, सिचाई विभाग, आकाश तिवारी, जिला संयोजक, नमामि गंगे भाजपा एवं, सुभाष पाण्डेय सह–संयोजक, नमामि गंगे, भाजपा ने बिलग्राम कन्नौज मुख्य मार्ग से राजघाट की तरफ जाने वाले मार्ग के मुख्य द्वार का स्थान संयुक्त रूप से चयनित कर, लिया गया साथ ही लोक निर्माण विभाग, को सूचित कर दिया। जिला परियोजना अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि इस द्वार के बन जाने स पौराणिक राजघाट को एक नई पहचान मिल सकेगी, आने जाने वाले राहगीरों को गंगा स्नान आदि हेतु घाट को पहचानने में सुविधा रहेगी, स्थानीय स्तर पर अर्थ गंगा मॉडल को ध्यान में रखते हुए इससे उम्मीद है कि इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

नगर निगम ने हटाए 386 अवैध होर्डिंग और बैनर

प्रयागराज, (संवाददाता)। प्रयागराज नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान जोरों पर चलाया जा रहा है । इसी क्रम में सोमवार को नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा के निर्देशानुसार, अपर नगर आयुक्त अम्बरीश कुमार बिंद और सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पाण्डेय के नेतृत्व में अशोक नगर, नैनी, शांतिपुरम, झूंसी और फाफामऊ क्षेत्रों में अवैध रूप से लगे होर्डिंग, बैनर और पोस्टर हटाए गए। सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पाण्डेय जी ने जानकारी दी कि 20 अप्रैल से शहर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शहर को अवैध विज्ञापन सामग्री और बेतरतीब ढंग से लगाए गए बैनरों से मुक्त कराना है । सोमवार को अभियान के अंतर्गत कुल 386 अवैध होर्डिंग्स और बैनर्स हटाए गए।

पहले महिलाओं को दिलवाया...फिर माफी की फैलाई अफवाह,खाकी ने साजिश किया बेनकाब

गोरखपुर, (संवाददाता)। 2024 के अक्तूबर माह में माइक्रो फाइनेंस कंपनी का लोन माफ कराने की झूठी सूचना फैलाने के आरोपी आंबेडकर जनमोर्चा के संयोजक श्रवण निराला के खिलाफ गोरखनाथ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस की विवेचना के मुताबिक, श्रवण निराला ने पहले महराजगंज, गोरखपुर के गोला, बड़हलगंज, कैंपियरगंज की महिलाओं को समूह लोन दिलाया। फिर इसे माफ कराने की झूठी सूचना देकर सैकड़ों महिलाओं को गोरखनाथ मंदिर भिजवाया था। एक बड़ी साजिश रची गई थी, जिसे पुलिस ने बेनकाब कर दिया था। जानकारी के मुताबिक, कर्जमाफी की अफवाह के मामले में महराजगंज के फरेंदा थाने में 15 अक्तूबर और गोरखपुर के गोरखनाथ थाने में 16 अक्तूबर को आंबेडकर जनमोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा और संयोजक श्रवण निराला पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। केस दर्ज करने के तत्काल बाद श्रवण निराला को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवा दिया था। पुलिस के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा ने अरेस्ट स्टे हासिल कर लिया। इस वजह से गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। गोरखनाथ पुलिस ने श्रवण निराला के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। वहीं हाईकोर्ट की शर्त का पालन करते हुए सीमा के खिलाफ विवेचना जारी है। फरेंदा गांव में आंबेडकर जनमोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा गौतम और उनके सहयोगी

रुपये लेकर थाने की फर्जी मोहर लगाकर ऋणमाफी का प्रमाणपत्र देता था। माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर श्रवण कुमार को गिरफ्तार किया था। माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट धीरज सोनी की शिकायत के अनुसार, सीमा गौतम और उनके सहयोगियों ने गांव की गरीब और अनपढ़ महिलाओं को झांसा दिया कि उनका समूह लोन माफ हो जाएगा। इसके लिए सीएम दरबार जाना होगा। उन्होंने प्रार्थनापत्र छपवाकर महिलाओं से जबरन भरवाए। प्रत्येक महिला से 500–500 रुपये लेकर उन्हें फर्जी कर्ज माफी प्रमाणपत्र जारी किए। इन महिलाओं को उकसाया गया कि वे फाइनेंस संस्थाओं का कर्ज न चुकाएं और कर्जमाफी से संबंधित अनधिकृत अभियानों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई थी। सीमा गौतम और उनके सहयोगियों ने इस निर्देश की अवहेलना करते हुए महिलाओं को कर्ज न चुकाने के लिए उकसाया और उनके अंगूठे के निशान लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए। इस धोखाधड़ी में महिलाओं को गंभीर रूप से गुमराह किया गया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ सकती थी। इस संगठित ठगी का शिकार गरीब और भोली–भाली महिलाएं बनीं, जिनसे फर्जीवाड़े के माध्यम से रुपये ऐंठे गए। वर्जनलोन माफ करने की अफवाह फैलाने के आरोपी श्रवण निराला के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। विवेचना में सामने आया है कि पहले आरोपी ने भोली–भाली महिलाओं को लोन दिलाया था। अगर उनसे पैसे की मांग की जाए तो हिंसा (डंडा–दवाई) का सहारा लें। धीरज सोनी ने बताया कि यह मामला आरबीआई की ओर से 11 दिसंबर 2023 को जारी किए गए निर्देशों का उल्लंघन है, जिसमें

भारतीय जनता पार्टी (अनुसूचित जनजाति मोर्चा) अधिकार संगोष्ठी ने प्रेस वार्ता की, जिसके मुख्य अतिथि बैजनाथ रावत ने कहा

अयोध्या (डीकेयू लाइफ ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रमोद गोड़ मण्डल अध्यक्ष, हरिभजन गोंड, सुनील गोंड मण्डल अध्यक्ष संतोष गोंड का कहना कि इस अधिकार गोष्ठी का उद्देश्य यह हमारा गोंड धुरिया कश्यप गोड़िया समाज के जाति प्रमाण पत्र को लेकर आहूत की गयी है हमारा समाज पिछले 30 से 35 साल से कभी शासन कि तो कभी सरकार कि पेचीदा नीतियो में फस कर अपना अस्तित्व खो बैठा है हमारा समाज कई जनपद में अनुसूचित जनजाति के श्रेणी में कई और जनपद में अनुसूचित श्रेणी में तो अन्य जनपद में पिछड़ी जाति का प्रमाण पत्र पा रहा हैं विड़बना यह कि ऐसा कैसे हो सकता है। जनपद (जिला) बदलते आपकि श्रेणी बदल जा रही है। हमारा सरकार से यह कहना है कि हमारे बच्चों के भविष्य से इस तरह का खिलवाड़ न किया जाए यह गोंड, धुरिया, कश्यप और गोड़िया या समाज यह मांग करता है हमारे समाज को सही श्रेणी में लाया जए और सीधा अदेश पारित कर हमारे जाति प्रमाण पत्र का रास्ता साफ किया जाए कई सरकारो द्वारा कई शसान आदेश आने के बाद भी हमारे समाज का प्रमाण पत्र निरगत नही किया जाता है शासन को हम यह भी बताना चाहते है कि हमारे काम को हमारे पेशे को (कहार) शब्द को हमारी जाति घोषित कर दि गई है यह गलत है क्यों कि हमारे पूर्ववज जल जंगल जमीन के संरक्षक रहे है पर हमारे जल जंगल जमीनों पर कब्जा कर लिया गया तो हम अपना जीवन यापन करने हेतू तथा कथित लोगो के यहा मजदूरी करने लगे जैसे डोली उठाना, पानी भरना, बर्तन माजना, गुलामी करना या हमसे मर्जी अथवा बिना मर्जी के कराऐ जाने लगा था। देश कि अजादी के बाद जब हम जनजातियो का सर्वे किया गया तो वही तथा कथित लोगो द्वारा हमारे मूल अस्तित्व को छुपा कर हमें कहार, महरा, महार, शब्द से संबोधित कर हमारी जाति दर्ज कर दिया गया। इस कारण हम अपने मूल अधिकारो से वंचित रह गये कहार शब्द हमारी जाति नही हमारा पेशा शब्द था अतः शासन से यही अनुरोध कि हमारी मूल अधिकरो को संरक्षित कर हमे हमारा अधिकार प्रदान किया जाए। संतोष गोड़ महानगर अध्यक्ष (अनुसूचित जनजाति मोर्चा) भारतीय जनता पार्टी भजपा का एक सिपाही होने के नाते अपने समाज कि समस्यो को प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री माननीय योगी अदित्य नाथ जी से के समक्ष रखता हूं और विनाम्र निवेदन करता हूँ हमारे समस्यों का जल्द ने जल्द निवारण करे हमारे साथ हमारी टीम प्रमोद गोंड, गरुण गोंड, अजय गोंड, संजय गोंड राकेश गोंड, राजू गोंड, मंगल गोंड भीम गोंड, श्री मती राजकुमरी, श्री मति सुनीता, भीम गोंड सुनील गोंड, मनीष गोंड, रामभवन गोंड रंजीत गोंड, सूर्य कुमार गोंड, आशा राम गोंड पन्ना लाल गोंड,सोनाली गोंड रामशबद गोड राम प्रसाद गोंड, प्रसान्त गोंड ,गरुड गोड़, राकेश गोड़ ,अजय गोड़,रोहित गोड़,महेश गोड़, माता प्रसाद गोड़, रवि गोड़, राम शब्द गोड़, राम प्रसाद गोड़, यमुना प्रसाद गोड़, राम किशन गोड़, जिला अध्यक्ष(अनुसूचित जनजाति मोर्चा)सत्यम गोड़, प्रकाश गोड़, विनय गोड़, मनीष गोड़, रणजीत गोड़, राम अचल गोड़, राम भवन गोड़, आशीष गोड़, श्रीमती राजकुमारी गोड़, अनिता गोड़, सुनीत गोड़, (मीडिया प्रभारी) सोनाली गोड़ समस्त गोड़ समाज उपस्थित रहे और समाज के समस्त महिलाये और बच्चे उपस्थित रहे है।

पत्नी के बॉयफ्रेंड को गहने दे दिए.. . फिर भी जान ले लेगी मेरी घरवाली

गोरखपुर, (संवाददाता)। साहब! पत्नी ने धीरे–धीरे करके घर में रखे सोने–चांदी के सभी गहने प्रेमी को दे दिए, अब वह मेरी जान ले लेगी। इसलिए किसी भी तरह से मुझे छुटकारा दिला दीजिए। महिला थाने में सुलह समझौता के दौरान एक पति ने यह आरोप लगाते हुए अपना पक्ष रखा। यह तो केवल एक मामला है। बताया जा रहा है कि मेरठ में पति की हत्या व शव ड्रम में रखने की घटना सामने आने के बाद से ही आए दिन महिला थाने व पुलिस ऑफिस में पत्नी की शिकायतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। पत्नी पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए पति शिकायत पत्र दे रहे हैं। महिला थाने में पिछले माह खोराबार क्षेत्र की एक दंपती की काउंसलिंग चल रही थी, लेकिन पति पत्नी के साथ रहने को राजी नहीं हो रहा था। पति का कहना है कि शादी के बाद से ही पत्नी मोबाइल पर हमेशा बात करती रहती है। धीरे–धीरे करके घर में रखे गहने भी अपने प्रेमी को दे दिए। कुछ भी बोलने पर लड़ने का तैयार है। उसे डर है कि पत्नी प्रेमी के साथ रहने की तैयारी कर रही है। वह कभी भी उन पर जानलेवा हमला क है। पति के इन आरोपों का जवाब पत्नी नहीं दे पाई। फिलहाल दोनों की गलतफहमी दूर कर उन्हें साथ रखने का प्रयास जारी है। हाल ही में महिला थाने के सीयूजी नंबर पर एक रेलकर्मी ने देर रात मदद मांगी। पुलिस के मुताबिक, रेलकर्मी ने कॉल करके रोते हुए कहा–पत्नी मेरा लगातार उत्पीड़न कर रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।